Roll No.
रोल नं.

Series SSR

Code No. **2/2**
कोड नं.

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

जब कभी मछेरे को फेंका हुआ
फैला जाल
समेटते हुए, देखता हूँ
तो अपना सिमटता हुआ
'स्व' याद हो आता है —
जो कभी समाज, गाँव और
परिवार के वृहत्तर रकबे में
समाहित था
'सर्व' की परिभाषा बनकर
और अब केन्द्रित हो
गया हूँ, मात्र बिन्दु में ।
जब कभी अनेक फूलों पर
बैठी, पराग को समेटती
मधुमक्खियों को देखता हूँ
तो मुझे अपने पूर्वजों की

याद हो आती है,
जो कभी फूलों को रंग, जाति, वर्ग
अथवा कबीलों में नहीं बाँटते थे
और समझते रहे थे कि
देश एक बाग है,
और मधु-मनुष्यता
जिससे जीने की अपेक्षा होती है ।
किन्तु अब
बाग और मनुष्यता
शिलालेखों में जकड़ गई है
मात्र संग्रहालय की जड़ वस्तुएँ ।

(क) कविता में प्रयुक्त 'स्व' शब्द से कवि का क्या अभिप्राय है ? उसकी जाल से तुलना क्यों की गई है ?

(ख) कवि का 'स्व' पहले कैसा था और अब कैसा हो गया है और क्यों ?

(ग) कवि को अपने पूर्वजों की याद कब और क्यों आती है ?

(घ) उसके पूर्वजों की विचारधारा पर टिप्पणी लिखिए ।

(ङ) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए :

"और मनुष्यता
शिलालेखों में जकड़ गई है ।"

अथवा

तू हिमालय नहीं, तू न गंगा-यमुना
तू त्रिवेणी नहीं, तू न रामेश्वरम्
तू महाशील की है अमर कल्पना
देश ! मेरे लिए तू परम वंदना ।
मेघ करते नमन, सिंधु होता चरण,
लहलहाते सहस्त्रों यहाँ खेत-वन ।
नर्मदा-ताप्ती, सिंधु, गोदावरी,
हैं कराती युगों से तुझे आचमन ।
तू पुरातन बहुत, तू नए से नया
तू महाशील की है अमर कल्पना ।
देश ! मेरे लिए तू महा अर्चना ।

शक्ति-बल का समर्थक रहा सर्वदा,
तू परम तत्त्व का नित विचारक रहा ।
शांति-संदेश देता रहा विश्व को ।
प्रेम-सद्भाव का नित प्रचारक रहा ।
सत्य औ' प्रेम की है परम प्रेरणा
देश ! मेरे लिए तू महा अर्चना ।

(क) कवि का देश को 'महाशील की अमर कल्पना' कहने से क्या तात्पर्य है ?

(ख) भारत देश पुरातन होते हुए भी नित नूतन कैसे है ?

(ग) 'तू परम तत्त्व का नित विचारक रहा' पंक्ति का भावार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(घ) देश का सत्कार प्रकृति कैसे करती है ? काव्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) "शांति-संदेश ..... रहा" काव्य-पंक्तियों का अर्थ बताते हुए इस कथन की पुष्टि में इतिहास से कोई एक प्रमाण दीजिए ।

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

वैदिक युग भारत का प्रायः सबसे अधिक स्वाभाविक काल था । यही कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार-बार लोभ से देखता है । वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते; किन्तु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है । लेकिन जब बौद्ध युग का आरम्भ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चिंतकों के बीच उसकी आलोचना आरम्भ हो गई । बौद्ध-युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिकता-आन्दोलन के समान था । ब्राह्मणों की श्रेष्ठता के विरुद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, जाति-प्रथा के बुद्ध विरोधी थे और मनुष्य को वे जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे । नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था कि मोक्ष केवल पुरुषों के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती हैं । बुद्ध की ये सारी बातें भारत को याद रही हैं और बुद्ध के समय से बराबर इस देश में ऐसे लोग उत्पन्न होते रहे हैं, जो जाति-प्रथा के विरोधी थे, जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम समझते थे । किन्तु बुद्ध में आधुनिकता से बेमेल बात यह थी कि वे निवृत्तिवादी थे, गृहस्थी के कर्म से वे भिक्षु-धर्म को श्रेष्ठ समझते थे । उनकी प्रेरणा से देश के हजारों-लाखों युवक, जो उत्पादन बढ़ाकर समाज का भरण-पोषण करने के लायक़ थे, संन्यासी हो गए । संन्यास की संस्था समाज-विरोधिनी संस्था है ।

(क) वैदिक युग स्वर्णकाल के समान क्यों प्रतीत होता है ?

(ख) जाति-प्रथा एवं नारियों के विषय में बुद्ध के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

(ग) बुद्ध की कौन-सी बात आधुनिकता के प्रसंग में ठीक नहीं बैठती ?

(घ) संन्यास की संस्था से समाज को क्या हानि पहुँचती है ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 5

(क) धन-संग्रह की बढ़ती हुई प्रवृत्ति

(ख) वैवाहिक जीवन में बढ़ता तनाव

(ग) दूरदर्शन के कार्यक्रमों का नवयुवकों पर प्रभाव

(घ) प्रदूषण-नियंत्रण में हमारा योगदान

4. रेल के वातानुकूलित डिब्बे में मुम्बई से अमृतसर की यात्रा के दौरान रात के समय आपकी अटैची चोरी हो गई है । अटैची और सामान का पूरा विवरण देते हुए सम्बद्ध स्टेशन के पुलिस अधिकारी के नाम शिकायती पत्र लिखिए । 5

अथवा

आपका मित्र जो स्कूल की हॉकी टीम का कैप्टेन था, अब पूरे प्रान्त की टीम का कैप्टेन बना दिया गया है । इस उपलब्धि के लिए उसे बधाई-पत्र लिखकर उसकी भावी उन्नति के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीजिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 1×5=5

(क) 'प्रिंट माध्यम' से आप क्या समझते हैं ?

(ख) स्तंभ-लेखन का क्या तात्पर्य है ?

(ग) संपादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं दिया जाता ?

(घ) हिन्दी में प्रकाशित होने वाले किन्हीं चार राष्ट्रीय समाचार-पत्रों के नाम लिखिए ।

(ङ) अंशकालिक संवाददाता किसे कहा जाता है ?

6. 'कृषकों में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति' **अथवा** 'शहरों का दमघोंटू वातावरण' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक फ़ीचर का आलेख तैयार कीजिए । 5

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5+5=10

(क) धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ ॥
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ ॥

(ख) तिरती है समीर-सागर पर
अस्थिर सुख पर दुख की छाया —
जग के दग्ध हृदय पर
निर्दय विप्लव की प्लावित माया —
यह तेरी रण-तरी
भरी आकांक्षाओं से,
घन, भेरी-गर्जन से सजग सुप्त अंकुर
उर में पृथ्वी के, आशाओं से
नवजीवन की, ऊँचा कर सिर
ताक रहे हैं, ऐ विप्लव के बादल ।

(ग) मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ !

8. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

कविता एक उड़ान है चिड़िया के बहाने
कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
कविता के पंख लगा उड़ने के माने
चिड़िया क्या जाने ?

(क) काव्यांश के कथ्य के सौन्दर्य को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) इन पंक्तियों की भाषागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

(ग) 'कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने' पंक्ति के भावगत सौन्दर्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

अथवा

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के ख़तरनाक किनारों तक —
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत ।

(क) ''जन्म ..... कपास'' पंक्ति में कपास से बच्चों का क्या सम्बन्ध है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ''छतों को भी नरम बनाते हुए'' — काव्य-पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ग) छतों के ख़तरनाक किनारों से वे कैसे बच पाते हैं ? इस संदर्भ में ''डाल की तरह लचीला वेग'' कथन का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2=4

(क) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता किसको व क्यों स्वीकारने की प्रेरणा देती है ?

(ख) 'लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप' काव्यांश के आधार पर भ्रातृशोक में विह्वल राम की दशा को अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ।

(ग) 'छोटा मेरा खेत' कविता में छोटे चौकोने खेत को 'काग़ज़ का पन्ना' क्यों कहा गया है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2+2=8

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है । मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है । जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फ़ैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि ख़लल ही डालती है ।

(i) बाज़ार के जादू को 'रूप का जादू' क्यों कहा गया है ?

(ii) 'जेब भरी हो और मन खाली हो' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(iii) बाज़ार का जादू किस तरह के व्यक्तियों पर अधिक असर करता है ?

(iv) जादू का असर उतर जाने पर व्यक्ति को क्या अहसास होने लगता है ?

अथवा

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ़ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी । पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी । बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था । स्पंदन-शक्ति-शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । अवश्य ही ढोलक की आवाज़ में न तो बुख़ार हटाने का कोई गुण था, और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे ।

(i) गद्यांश में रात्रि की किस विभीषिका की चर्चा की गई है ? ढोलक उसको किस प्रकार की चुनौती देती थी ?

(ii) किस प्रकार के व्यक्तियों को ढोलक से राहत मिलती थी ? यह राहत कैसी थी ?

(iii) 'दंगल के दृश्य' से लेखक का क्या अभिप्राय है ? यह दृश्य लोगों पर किस तरह का प्रभाव डालता था ?

(iv) ढोलक की आवाज अपने गुण और शक्ति की दृष्टि से कहीं कम प्रभावकारी थी और कहीं अधिक — ऐसा क्यों ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3+3+3=12

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गईं ?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

(ग) चार्ली सबसे ज्यादा स्वयं पर कब और क्यों हँसता है ?

(घ) 'नमक' कहानी में भारत और पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मोहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है — कैसे ?

(ङ) द्विवेदी जी ने 'शिरीष के फूल' पाठ में "शिरीष के माध्यम से कोलाहल और संघर्ष से भरे जीवन में अविचल रहकर ज़िन्दा रहने की सीख दी है" । इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3+3+3=9

(क) क्या पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव को 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना कहा जा सकता है ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए ।

(ख) श्री सौंदलगेकर के अध्यापन की उन विशेषताओं का उल्लेख करें जिन्होंने कविताओं के प्रति 'जूझ' पाठ के लेखक के मन में रुचि जगाई ।

(ग) पुरातत्त्व के कौन-से चिह्न ऐसे हैं जिनसे यह सिद्ध होता है कि "सिंधु सभ्यता ताक़त से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी ?"

(घ) 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर बताइए कि ऐन की डायरी उसके सुख-दुख का भावनात्मक दस्तावेज़ भी है ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) 'ऐन की डायरी' एक ऐतिहासिक दौर का जीवन्त दस्तावेज़ है — इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

(ख) 'जूझ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी लिखिए ।

(ग) क्या 'पीढ़ी के अन्तराल' को 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की मूल संवेदना कहा जा सकता है ? तर्क-सहित उत्तर दीजिए ।

14. 'सिल्वर वैडिंग' के कथानायक यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व हैं और नई पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित है — इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए । 5

अथवा

नदी, कुएँ, स्नानागार और बेजोड़ निकासी-व्यवस्था के आधार पर लेखक सिंधु घाटी सभ्यता को 'जल संस्कृति' कहना चाहता है । लेखक के इस विचार के पक्ष या विपक्ष में अपने तर्क दीजिए ।